हिन्दी दिवस 14 सितम्बर 2023

कैंपस की हलचल

निफ्ट समाचार

जोधपुर

www.niftsamachar.in | भाद्रपद कृष्ण पक्ष अमावस्या, जोधपुर, गुरुवार 14 सितम्बर, 2023 | मूल्य ₹5.00

निफ्ट जोधपुर में दस दिवसीय एडवांस प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

पूर्वी श्रीवास्तव

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अपैरल एवं टैक्सटाइल डिजाइन विभाग के स्टूडेन्ट्स के लिए दस दिवसीय एडवांस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्राओं को डिजाइन प्रक्रिया, पैटर्न बनाने, परिधान निर्माण, सतह सजावट और प्रिंट विकास का उन्नत ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना का उद्देश्य पैटर्न निर्माण, परिधान निर्माण और कपड़ा डिजाइनिंग के विभिन्न पहलुओं, डिज़ाइन के तत्वों और सिद्धांतों की समझ प्रदान करके प्राथमिक डिज़ाइन विकास पर ज़ोर देना व डिज़ाइन प्रक्रिया, मैनुअल और डिजिटल प्रिंट को विकसित करना है। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रुचि खोलिया ने बताया कि इस कार्यक्रम के समापन पर इन छात्राओं द्वारा एक थीम आधारित परिधान डिजाइन निर्माण किया जायेगा। जिसका लाभ छात्राओं को अपने करियर निर्माण में होगा। इस कार्यक्रम के समन्वय फैशन डिजाइन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मदन लाल रेगर, डॉ. अदिति मेड़तिया और डॉ. रुचि खोलिया हैं।

टॉपर स्टूडेंट ने किया नेशनल हैंडलूम डे पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की ओर से नेशनल हैंडलूम डे पर सोमवार को अनोखी पहल की गयी, आज नेशनल हैंडलूम डे पर आयोजित कार्यक्रम में टेक्सटाइल डिपार्टमेंट के 7वें सेमेस्टर की स्टूडेंट जया यादव ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। एनआईएफटी के निदेशक प्रो.(डॉ) जीएचएस प्रसाद ने बताया कि स्टूडेंट्स को मोटिवेट करने के लिए इस तरह की पहल की है, जिससे दूसरे स्टूडेंट्स भी प्रेरित हो सकें। सीआईसी डॉ अदिति मेड़तिया ने बताया कि इस मौके पर प्रदर्शनी में पट्टू-मालाणी, भोजासरी हैंडलूम प्रोडक्ट, कोटा डोरिया कैथून, टेराकोटा, वुडन क्राफ्ट, एप्लीक, सलावास दरी सहित विभिन्न क्राफ्ट का प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर संयुक्त निदेशक अनिल कुमार, सीएसी डॉ शिखा गुप्ता सहित सभी फैकल्टी मेंबर्स मौजूद रहें।

निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने स्टूडेंट्स के कार्य की सराहना

एनआईएफटी के ग्रेजुएशन शो में स्टूडेंट्स ने खुद से डिजाइन किए कलेक्शन के साथ रैम्प वॉक कर बिखेरा फैशन का जलवा

जोधपुर। खुद ही डिजाइनर और खुद ही मॉडल बने स्टूडेंट्स जब रंग बिरंगी लाइट पर अपने डिजाइन किए कपड़े पहन रैंप वॉक करते दिखें तो दर्शक दीर्घा में बैठे लोग चौंक गए, युवाओं ने जमकर हूटिंग भी की, ये नजारा था राष्ट्रीय फ़ैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की ओर से आयोजित ग्रेजुएशन शो का। जहां स्टूडेन्ट्स ने अपने चार साल की मेहनत को रैंप पर उतार कर आडियंस का दिल जीत लिया। इस फैशन शो में फैशन डिजाइनर राघवेन्द्र राठौर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। राठौर कई बॉलीवुड हस्तियों के कपडे डिजाइन कर चुके है। इस मौके पर राठौर ने ग्रेजुएट होने जा रहे स्टूडेन्ट्स को शुभकामनाएं दी और स्टूडेंट्स के कलेक्शन को सराहा। एनआईएफटी के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने बताया कि इस फैशन शो में विभिन्न थीम्स पर बनें 12 कलेक्शन को पहन रैम्प वॉक किया गया। इनमें फैशन डिजाइन विभाग के स्टूडेंट्स डिजाइनर गरिमा, प्राची, भूमिका, निमिषा, इशिता, श्वेता, श्रेया, पार्थ, कृष्णा, स्पृहा, साहिल और अनमोल के कलेक्शन शामिल है। प्रसाद ने ग्रेजुएशन शो में फैशन कम्यूनिकेशन, फैशन मैनेजमेंट स्टडीज, टैक्स्टाइल डिजाइन, फैशन डिजाइन, फैशन टैक्नोलॉजी एवं एक्सेसरी डिजाइन विभाग के 200 से अधिक छात्र-छात्राएं को अपनी डिजाइन की गई वस्तुओं की प्रदर्शनी के लिए शुभकामनायें दी। इस दौरान फैकल्टी और कर्मचारियों के बच्चों ने भी मॉडल बन रैम्प वॉक किया।

निफ्ट के छात्र डिजाइनर के ग्रेजुएशन कलेक्शन का प्रदर्शन करते हुए।

निफ्ट जोधपुर में नए छात्र-छात्रों का किया अभिनन्दन

जोधपुर। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) जोधपुर के नए बैच के 200 से अधिक उत्साही छात्रों का संस्थान में स्वागत के साथ ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आगाज हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आयुर्वेद यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों का स्वागत किया और भविष्य में नवाचारों के साथ कार्य करने की सलाह भी दीं।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, संस्थान के निदेशक प्रो जीएचएस प्रसाद ने स्टूडेंट्स से एक सफल भविष्य के लिए प्रमुख तत्वों को भी साझा किया और बताया कि कैसे निफ्ट जोधपुर के पूर्व छात्र फैशन की दुनिया में अपना नाम कमा रहे हैं।

इससे पहले तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरुआत निफ्ट जोधपुर द्वारा स्टूडेंट्स के बीच स्वागत किट के वितरण के साथ हुई। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को डिजाइन और फैशन के पाठ्यक्रमों से परिचित कराया गया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में छात्रों को कॉलेज, हॉस्टल, लाइब्रेरी के नियम-कायदे और एंटी रैगिंग कमेटी से जुड़ी सभी तरह की जानकारी दी गई।

इस दौरान संस्थान की सीएसी डॉ शिखा गुप्ता, फाउंडेशन प्रोग्राम की समन्वयक डॉ रुचिका डावर सहित सभी फैकल्टी मेंबर्स मौजूद रहें।

रिपोर्ट - पूर्वी श्रीवास्तव

निफ्ट के वार्षिक उत्सव स्पेक्ट्रम-23 में

स्टूडेंट्स ने अपने डिजाइन किए कपड़े पहन किया रैंप वॉक, म्यूजिकल नाइट में बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय ने बांधा समां

पूर्वी श्रीवास्तव

जोधपुर। डीजे की धुन पर थिरकते युवा, अपने डिजाइन किए कपड़े पहन फैशन शो में रैंप वॉक करते स्टूडेंट्स और सिंगर की प्रस्तुति पर वन्स मोर, वन्स मोर की हूटिंग करते विभिन्न कॉलेजों के युवा। ये नजारा था राष्ट्रीय फ़ैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की ओर से शनिवार को आयोजित वार्षिक उत्सव स्पेक्ट्रम-23 की शाम का, जहां अलग अलग कॉलेज - यूनिवर्सिटी से आए युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे थे।इस दौरान फैशन शो, क्लैश ऑफ बैंड्स, सोलो डांस, डुएट डांस, एड मेकिंग सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो जीएचएस प्रसाद ने कहा कि स्टूडेंट्स की कला और प्रतिभा को पहचानने के लिए हर वर्ष निफ्ट की ओर से देशभर में स्पेक्ट्रम का आयोजन किया जाता है, स्टूडेंट्स ऐसे मौके पर अपनी परफॉर्मेंस से आत्मविश्वास से भर जाते है जो जीवन में उन्नति के लिए जरूरी है। म्यूजिकल नाईट में सिंगर रविंद्र उपाध्याय ने स्टूडेंट्स की फरमाइश पर बॉलीवुड सोंग्स की प्रस्तुति दी, जिन पर स्टूडेंट्स जमकर झूमते नजर आए और ग्रुप्स में हूटिंग करते दिखें। छात्र विकास गतिविधि समन्वयक प्रियंका वर्मा ने बताया कि दो दिवसीय वार्षिक उत्सव स्पेक्ट्रम -23 में 40 से अधिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें जोधपुर के विभिन्न कॉलेज के स्टूडेंट्स ने भाग लिया। रामा एंटरप्राइज ने कार्यक्रम की सह-मेजबानी की, जिसे मूडी कैफे और इंसोम्निया कैफे एंड रेस्तरां द्वारा प्रायोजित किया गया था |

Spectrum 23 में अपने संग्रह का प्रदर्शन करते निफ्ट के स्टूडेंट्स |
फ़ोटो: पूर्वी श्रीवास्तव

डायसी और डी एंड डी फोटोग्राफी उनके फैशन और फोटोग्राफी पार्टनर थे, जबकि श्री बालाजी उनके म्यूजिक पार्टनर थे।

निफ्ट में तीन दिवसीय आर्टिजंस अवेयरनेस वर्कशॉप का आयोजन

जोधपुर। वस्त्र मंत्रालय के राष्ट्रीय फैशन प्रोधोगिकी संस्थान की ओर से प्रदेश के शिल्पकारों के जागरूकता के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का आगाज बुधवार को हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो जीएचएस प्रसाद ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला की शुरूआत की और शिल्पकारों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य बाजार की मांग पर प्रदेश के शिल्पकारों को तैयार कर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करना है।

-पूरा समाचार पेज नं. 4 पर

एनआईएफटी जोधपुर में तीन महिने की ट्रेनिंग प्रोग्राम का आगाज

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान एवं राजस्थान सेन्टर ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइन मैनजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश के युवाओं के लिए तीन महिने के ट्रेनिंग प्रोग्राम का आगाज बुधवार को हुआ। इस मौके पर पर राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने कहा कि जोधुपर से हैण्डीक्राफ्ट का करीब 7 हजार करोड़ का टर्न ओवर है। जोधपुर में प्रोडक्ट बनाने के लिए देशभर के कारीगर आते है, ऐसे में इस कोर्स के माध्यम से युवाओं को एक्सपर्ट के जरिये हैण्डीक्राफ्ट की डिजाइन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे पहले राजस्थान सरकार के जिला उद्योग केन्द्र के जाइंट कमिश्नर एसएल पालीवाल, असिस्टेंट कमिश्नर पूनम राठौर और निफ्ट निदेशक जीएचएस प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

इस मौके पर जांइट कमिश्नर एसएल पालीवाल ने कहा कि इस प्रोग्राम का उद्देश्य युवाओं को तैयार कर रोजगारोन्मुखी बनाना है। असिस्टेंट कमिश्नर पूनम राठौर ने कहा कि इस कोर्स से युवाओं को नेशनल लेवल के विशेषज्ञों से डिजाइनिंग सीखने का मौका मिल रहा है। कोर्स कोकोर्डिनेटर विजेन्द्र कुमार ने बताया कि राजस्थान के युवाओं को तीन महिने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें युवाओं को क्राफ्ट, डिजाइन और कौशल विकास के गुर सिखाये जाएंगे।

ग्रामीण महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण से भारत बनेगा आत्मनिर्भर : प्रो. प्रसाद

जोधपुर। आज ग्रामीण महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत है। महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने पर ही महिला सशक्तिकरण को बल मिलेगा और तब ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा यह कहना था राष्टीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर जी. हरि शंकर प्रसाद का। वे मंगलवार को निफ्ट जोधपुर एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इंदिरा महिला शक्ति कौशल सामथ्र्य योजना के अन्र्तगत आयोजित 20 दिवसीय स्किल डिजाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में बोल रहे थे। प्रसाद ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण महिलाओं एवं किशोरियों के सर्वांगीण विकास व सशक्तिकरण की ओर एक मजबूत कदम है। महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक ने कहा कि महिलाओं के सर्वागीण विकास हेतु आवश्यक है कि वह आर्थिक रूप से स्वावलम्बी हों। निफ्ट की प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर डॉ. जन्मय सिंह हाड़ा व

डॉ ईश्वर कुमार ने बताया कि 19 दिसंबर से 10 जनवरी 2023 तक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वस्त्र डिजाईन, पेटर्न मेकिंग,फेब्रिक नॉलेज, प्रोडक्ट नॉलेज, फैशन फोरकास्टिंग, विजुअल मर्चेंडाइजिंग आदि का प्रशिक्षण दिया गया। उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक महिला सदस्य को पैटर्न मेकिंग किट, फैब्रिक, स्टेशनरी किट और एक हजार रूपये का पारितोषिक दिया गया।

रिपोर्ट -पूर्वी श्रीवास्तव

निफ्ट में आर्टिजन्स ने स्टूडेंट्स को दिये कला के टिप्स

- डिपार्टमेंट ऑफ फैशन मैनजमेंट स्टडीज की ओर से "कलांगन" वर्कशॉप आयोजित

निफ्ट में प्रोफेसर जी एच एस प्रसाद को कला की व्याख्या करते कारीगर
फ़ोटो: पूर्वी श्रीवास्तव

प्रोफ़ेसर जीएचएस प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की|
फ़ोटो: पूर्वी श्रीवास्तव

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्यौगिकी संस्थान (निफ्ट) के डिपार्टमेंट ऑफ फैशन मैनजमेंट स्टडीज की ओर से गुरुवार को "कलांगन" वर्कशॉप आयोजित की गई। इस वर्कशॉप में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले आर्टिजन्स ने स्टूडेन्ट्स को विभिन्न प्रकार के वर्क जैसे लेदर, बंधेज, लाख चूडियां, एप्लीक वर्क, मोती की ज्वैलरी, वुडन, दाबू प्रिंट और टेराकोटा व पेपरमेशी वर्क पर काम करने के टिप्स दिये। इस मौके पर निफ्ट के निदेशक प्रो (डॉ) जीएचएस प्रसाद ने कहा कि आज के युवा को हमारी संस्कृति और परंपरागत कलाओं को समझने की जरूरत है, प्रदेश में लेदर, कॉटन, दाबू प्रिंट, टेराकोटा में कैरियर की खूब संभावनाएं है। प्रसाद ने कहा कि युवाओं को आगे आकर इस तरह के हस्तशिल्पियों के कार्य को समझने की आवश्यकता है जिससे आत्मनिर्भर भारत की कल्पना भी साकार हो सकती है। इस तरह की वर्कशॉप से स्टूडेन्ट्स को कैंपस के अंदर ही प्रैक्टिकल प्रशिक्षण मिलता है।

प्रोफेसर जीएचएस प्रसाद ने कहा विभिन्न सामाजिक और भाषाई समूहों से विभिन्न कला रूप उत्पन्न होते हैं। प्रत्येक कला रूप का अपना सांस्कृतिक महत्व और इतिहास होता है। लेकिन धीरे-धीरे ये शिल्प बढ़ते आधुनिकीकरण और औद्योगीकरण के साथ लुप्त होते जा रहे हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर रूचिका डावर ने सभी आर्टिजन्स का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और बताया कि वर्कशॉप में लेदर वर्क, बंधेज, लाख चूडियां, एप्लीक वर्क, मोती की ज्वैलरी, वुडन वर्क, दाबू प्रिंट और टेराकोटा व पेपरमेशी वर्क की प्रर्दशनी भी लगाई गई। वर्कशॉप में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले आर्टिजन रामरख जाट ने कहा कि आज ग्रामीण पारंपरिक हस्तशिल्प अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचाने जाने लगे है, आज प्रदेश के हस्तशिल्पियों के काम को सराहने की आवश्यकता है। वर्कशॉप में 12 से अधिक आर्टिजन्स ने अपने विचार रखें।

रिपोर्ट - पूर्वी श्रीवास्तव

समाचार पत्र की कार्यप्रणाली पर निफ्ट जोधपुर में हुई चर्चा

-मनाया गया राष्ट्रीय प्रेस दिवस

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के फैशन कम्युनिकेशन विभाग में बुधवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया। इस मौके पर विभाग के स्टूडेन्ट्स के लिए समाचार पत्र की कार्यप्रणाली और लेआउट डिजाइन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्टूडेन्ट्स ने दिनभर की गतिविधियों पर समाचार पत्र भी निकाला। संस्थान के संयुक्त निदेशक अनिल कुमार ने स्टूडेन्ट्स के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि स्वाधीनता आंदोलन से आजादी के अमृत काल तक प्रेस ने निष्पक्ष सोच और स्वतंत्र विचारधारा से देश को दिशा देने का कार्य किया है। इस प्रकार लोकतंत्र को सुदृढ बनाते हुए भारत निर्माण में प्रेस का योगदान है। फैशन कम्युनिकेशन विभाग के केन्द्र समन्वयक अमित दास ने बताया कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर स्टूडेन्ट्स को प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल मीडिया हाउसेस की विजिट कराई गई। इस दौरान असिस्टेंट प्रोफेसर प्रियंका वर्मा, गीति कर्मकार और डॉ मनीष शर्मा उपस्थित रहें।

कन्वर्ज-2022 में निफ्ट जोधपुर ने जीते दो गोल्ड, एक सिल्वर, 5 ब्रोन्ज

जोधपुर। देश के 18 राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थानों के बीच हर वर्ष आयोजित होने वाले सांस्कृतिक, खेलकूद एवं साहित्यिक प्रतियोगिता-कन्वर्ज 2022 में निफ्ट जोधपुर ने दो गोल्ड, एक सिल्वर, 5 ब्रोन्ज के साथ जीत दर्ज की। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता का आयोजन इस बार भोपाल निफ्ट कैम्पस में हुआ। छात्रविकास गतिविधि समन्वयक प्रियंका वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान(निफ्ट) जोधपुर की ओर से 50 स्टूडेन्ट्स ने भाग लिया इनमें से बीएफटी कोर्स के छात्र विकास सारस्वत ने सौ मीटर रेस में और अर्पित गुप्ता ने मीम मेकिंग में स्वर्ण पदक हासिल किया, वहीं एसेसरीज डिजाइन के छात्र निशांत चौहान एवं फैशन कम्युनिकेशन की छात्रा खुशी आनंदानी ने मिस्टर एंड मिस कन्वर्ज में रजत पदक हासिल किया और इस प्रतियोगिता में इशिता तपस्वी, दिव्यांशी निमेष, अंकित सैनी,दिया परिहार,खुशी आनंदानी व खो—खो टीम को कांस्य पदक मिला। इस दौरान जोधपुर से असिस्टेंट प्रोफेसर श्वेता जून, कनिष्ठ सहायक किशोर सिंह, हितेश गोस्वामी मौजूद रहें। भोपाल से लौटने पर संस्थान के निदेशक प्रो जीएचएस प्रसाद ने सभी स्टूडेन्ट्स को बधाई दी।

स्टूडेंट्स ने अपने विचार साझा किए

जोधपुर। निफ्ट जोधपुर में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता हल्ट प्राइज का आयोजन किया गया। डायरेक्टर आकर्षण अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में 66 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने भाग लिया। जिसमें 20 से ज्यादा टीम ने रजिस्टर किया। विजेता एक टीम के आईडिया को अब राष्ट्रीय स्तर के हल्ट प्राइज के लिए भेजा जायेगा।' इस वर्ष हल्ट प्रेटिज में टेक्सटाइल या फैशन इंडस्ट्री की समस्या को बताने का विषय था। जिसपर बच्चों को काम करना था और एक उपाय देना था. जिससे इस इंडस्ट्री में बदलाव आ सके। स्टूडेंट्स ने अपने अलग-अलग आइडियाज को फैकल्टी डॉ रुचिका डावर, प्रोफेसर डॉ मदन रेगर, प्रोफेसर अतुल, प्रोफेसर एडी के साथ चर्चा करके सामने रखा। फाइनल जूरी पैनल में निफ्ट प्रोफेसर डॉ अंकुर सक्सेना, अंशुल राजवंश, डॉ चंद्रकांत शर्मा, प्रो वर्षा शामिल हुए। प्रतियोगिता में निफ्ट जोधपुर के निदेशक डॉ. जीएचएस प्रसाद, सहायक प्रो डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, क्षेत्रीय विशेषज्ञ ऋचा शाह का सहयोग मिला।

निफ्ट जोधपुर में सम्मान समारोह आयोजित

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता स्टूडेन्ट्स को सम्मानित किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने बताया कि निफ्ट जोधपुर के मेधावी स्टूडेन्ट्स के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे हल्ट प्रतियोगिता, फैशन प्रतियोगिता, काव्यपाठ, फैकल्टी-स्टूडेन्ट्स टेबिल टेनिस प्रतियोगिता, सोशल मीडिया प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस मौके पर प्रसाद ने कहा कि प्रतियोगिताओं के आयोजन से स्टूडेन्ट्स का सर्वांगीण विकास होता है, स्टूडेन्ट्स में प्रतियोगिताएं आत्मविश्वास बढाती है और उन्हें स्वस्थ रखती है। कार्यक्रम में मंच संचालन वैशाली भानुशाली और गौरिका भारद्वाज ने किया।

निफ्ट में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) में रविवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह का आयोजन किया गया| संस्थान के निदेशक प्रो (डॉ). जीएचएस प्रसाद ने विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया|
संस्थान के संयुक्त निदेशक अनिल कुमार ने बताया कि सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा के साथ शुरू हुए जागरूक सप्ताह में संकाय सदस्यों, छात्र-छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताऐं जैसे कि निबंध प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया| इस दौरान सभी कार्मिकों को ईमानदारी के साथ कार्य करने की सीख दी गयी| कार्यक्रम में मंच संचालन असिस्टेंट प्रोफ़ेसर रूचि खोलिया ने किया| भ्रष्टाचार के खतरो के खिलाफ जन जागरूकता को बढ़ाने एवं भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में सभी हितधारकों के समर्थन को सूचीबद्ध करने के लिए अधिकारियों, स्वयं सहायता समूह, गैर सरकारी संगठन एवं नागरिक समाज के लिए|

रिपोर्ट - पूर्वी श्रीवास्तव

निफ्ट निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में पढ़ा रिसर्च पेपर

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो (डॉ) जीएचएस प्रसाद ने बोस्टन के हॉवर्ड फैकल्टी क्लब में “इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बिजनेस, मार्केटिंग एंड मैनजमेंट” विषय पर आयोजित कांफ्रेंस में राजस्थान के जोधपुर जिले के निवासी जाकिर हुसैन पर शोध पत्र पढा। जिसका विषय “द स्टोरी ऑफ ए हैण्डीक्राफ्ट, क्राफ्टमैन एंड हिज बिजनेस: ए केस फ्रॉम इंडिया” था। प्रो. प्रसाद ने बताया कि राजस्थान के कलाकार जाकिर को केमल बोन की करीब 9 फीट लंबी रेलगाडी बनाने के लिए नेशनल अवार्ड मिल चुका है। इस कलाकृति में ऊंट की हड्डियों से बनें 4 डिब्बे, एक इंजन और 170 पैसेंजर बैठे दिखाए गए है। रेलगाडी को बनाने में 4 साल का समय लगा, अब यह रेलगाडी दिल्ली के नेशनल रेल म्युजियम में रखी जाएगी।उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर जीएचएस प्रसाद राजस्थान की कला संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है।पिछले दिनों पश्चिमी राजस्थान में घूम कर विलुप्त हो रही मौलिक कलाओं को शोध के माध्यम से अन्तरराष्ट्रीय मंच दिलाने का कार्य कर रहे है।

रिपोर्ट - पूर्वी श्रीवास्तव

निफ्ट में तीन दिवसीय आर्टिजंस अवेयरनेस वर्कशॉप का आयोजन...

जोधपुर। इसके लिए विभिन्न सत्रों में शिल्पकारों के ब्रांड, प्रमोशन, मार्केटिंग, फोटोग्राफी, सोशल मीडिया सहित आनलाइन मार्केट में खुद को स्थापित करने के गुरू सिखाए जाएंगे। प्रसाद ने शिल्पकारों के लिए चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज डिजीटल के युग में शिल्पकारों को अपने प्रोडक्ट को बेचने के लिए प्रशिक्षण की जरूरत है, जिससे शिल्पकारों को अपनी मेहनत का लाभ मिलें। कई बार बाजार की जानकारी के अभाव में हस्तशिल्पियों को अपने हुनर का मेहनताना कम मिलता है। इस दौरान संयुक्त निदेशक अनिल कुमार, सीआईसी डॉ अदिति मेडतिया,असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ चेतराम मीना, अमित दास, डॉ मनीष शर्मा, डॉ अंकिता श्रीवास्तव, आकांक्षा पारीक, दीपराज सिन्हा और श्वेता जून उपस्थित रहें।

क्राफ्ट बाजार का आयोजन

क्राफ्ट बाजार में प्रो. जीएचएस प्रसाद के साथ कारीगर

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा क्राफ्ट बाजार का आयोजन 3 एवं 4 फरवरी को प्रो जीएचएस प्रसाद, निदेशक, निफ्ट की अध्यक्षता में आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन माहेश्वरी भवन खास बाग होटल के सामने पुलिस लाइन जोधपुर में आयोजित किया जाएगा। इस क्राफ्ट बाजार का उद्देश्य विभिन्न हस्तशिल्प और हथकरघा कारीगरों के द्वारा अपनी हस्तनिर्मित वस्तु का विक्रय और प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करना हैं। क्राफ्ट बाजार में दर्शक विश्व प्रसिद्ध शिल्प कलाएं एप्पलिकए 'बॉर्न एण्ड हॉर्न, कोकोनट सेल क्राफ्ट कॉटन विविंग एवं पेपर मेसे, दाबू ब्लॉक प्रिंटिंग, जूट बैग्स कोटा डोरिया, लाख बैंगल्स, लेदर, वुड एवं मेटल क्राफ्ट, पोचमपल्ली इकत, पंजा दरी, बगरू एवं सांगानेर ब्लॉक प्रिंटिंग, सिंधी एम्ब्रोइडरी, टाई एण्ड डाई, मोजरी इत्यादि के सम्मानित कारीगर से सीधे हस्तशिल्प उत्पादों को क्रय कर सकते है एवं उनके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते है।

रिपोर्ट - पूर्वी श्रीवास्तव

पूर्व छात्रों ने साझा किए अनुभव

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में पूर्व छात्र सम्मेलन हुआ। मुख्य अतिथि भूतपूर्व महानिदेशक निफ्ट पीके गैरा थे। संस्थान के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने कार्यों में पारदर्शिता, सत्य निष्ठता एवं जवाबदेही की भावना बनाए रखने की अपील की। संस्थान के संयुक्त निदेशक अनिल कुमार ने बताया कि एक सफल संस्थान का मुख्य आधार 4 प्रमुख स्तंभ होते हैं, जिसमें पहला संस्थान के संकाय सदस्य, दूसरा छात्र, तीसरा स्टॉफ एवं चौथा व आखिरी मुख्य स्तंभ पूर्व छात्र होते हैं। जो संस्थान का प्रतिरूप होते हैं। इस क्रम में संस्थान के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए।

निफ्ट के फैशन कम्युनिकेशन के स्टूडेंट्स ने जाना हस्तशिल्पियों का हुनर

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के फैशन कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स हस्तशिल्प उत्सव में देश के विभिन्न हस्तशिल्पियों के हुनर से रूबरू हुए| इस 33वें पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2023 का आयोजन 06 से 15 जनवरी तक रावण का चबूतरा मैदान, जोधपुर पर जिला प्रशासन, जिला उद्योग केन्द्र जोधपुर, उद्यम प्रोत्साहन संस्थान, जयपुर तथा नोडल एजेन्सी मरुधरा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने बताया कि हस्तशिल्प उत्सव में स्टूडेंट्स को एक ही मंच पर देश और प्रदेश के राष्ट्रीय अवॉर्ड विजेता रह चुके हस्तशिल्पकारों से रूबरू होने के साथ साथ उनकी कला को जानने का मौका मिल रहा है| इससे स्टूडेंट्स को रिसर्च करने में आसानी रहेगी| उत्सव में आये निफ्ट में फैशन कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि निफ्ट जोधपुर की ओर से स्टूडेंट्स को रिसर्च स्टडी के लिए आर्टिजन्स से रूबरू कराया जाता है जिससे इंडस्ट्री में जाने पर स्टूडेंट्स अच्छा काम कर अपनी पहचान बना पाएं| उल्लेखनीय है कि हस्तशिल्प उत्सव के केन्द्रीय पण्डाल में औद्योगिक क्षेत्र में विकसित की गई आधारभूत सुविधाओं एवं क्षेत्र के समग्र औद्योगिक विकास का दिग्दर्शन कराने वाली औद्योगिक परियोजनाओं के मॉडल्स का सुन्दर प्रदर्शन किया गया।इसमें राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान की स्टॉल भी लगाई गयी|

रिपोर्ट - पूर्वी श्रीवास्तव

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए जनसहभागिता जरूरी: आईपीएस डॉ अमृता दुहन

पूर्वी श्रीवास्तव

जोधपुर। आज भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने की जरूरत है इसके लिए जनसहभागिता की आवश्यकता है तब भ्रष्टाचार मुक्त भारत के सपने को साकार किया जा सकता है, इसके लिए सिस्टम को भी पारदर्शी और जवाबदेही बनाना होगा। यह कहना था आईपीएस डीसीपी पूर्व जोधपुर डॉ अमृता दुहन का, वे गुरूवार को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) में "एक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर बोल रही थी। डॉ अमृता दुहन ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने विकसित भारत की थीम रखी है इसके लिए देश को भ्रष्टाचार मुक्त करने की सख्त आवश्यकता है। आज विश्व में भारत की एक अलग पहचान है, क्रिकेट से लेकर भारतीय सिनेमा विश्व पटल पर लौहा मनवा रहा है लेकिन देश में एक वर्ग ऐसा भी है जो असाक्षर या गरीब है, ऐसे मे देश में बडे बदलाव के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ खडा होना होगा तब विकसित भारत की कल्पना साकार हो सकती है।

डिजिटल युग की बात करते हुए डॉ अमृता दुहन ने कहा कि आज सोशल मीडिया के दौर में जवाबदेही बढ़ गई है ऐसे में भ्रष्टाचार करना आसान नही रहा है लेकिन किसी भी कैम्पेन को क्रांति में बदलने के लिए आम व्यक्ति का जुडना जरूरी है। जड़ों में सुधार करके ही स्थाई विकास संभव है और तकनीक व सुधार के माध्यम से व्यवस्था को मजबूत करके ही नागरिकों के हितों की रक्षा हो सकती है। आईपीएस अमृता दूहन ने राजस्थान एसीबी का जिक्र करते हुए कहा कि आज इस विभाग के कार्यों की देश में चर्चा है यहां भी शिकायतकर्ता की पहचान को गोपनीय रखा जाता है लेकिन यह संभव तब ही हुआ जब हममें से कुछ जागरूक लोग आगे आए। जनसहभागिता के साथ ही भ्रष्टाचार मुक्त भारत के सपने को साकार कर विकसित भारत का निर्माण किया जा सकता है। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है सिस्टम में ट्रांसपेरेंसी हो, जनभागीदारी बढ़े और जवाबदेही तय हो।

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक डॉ जीएसएस प्रसाद ने कहा कि देश के निर्माण में कई महापुरूषों का योगदान है, आज हमकों उनके मूल्यों और सिद्धांतों को अपनाने की जरूरत है, क्योंकि भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए अवेयरनेस लानी होगी तब जाकर हर तरह फैले भ्रष्टाचार से निजात मिल पायेगी और विकसित राष्ट्र का निर्माण होगा।

संस्थान के संयुक्त निदेशक अनिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह जीवन में ईमानदार, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता को बढ़ावा देकर राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूत करेगा। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है सिस्टम में ट्रांसपेरेंसी हो, जनभागीदारी बढ़े और जवाबदेही तय हो। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ अदिति मेड़तिया ने किया।

राजस्थान के जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट और पूर्व उपायुक्त अमृता दुहान को दबंग अधिकारी के रूप देखा जाता है| अमृता दुहान अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने में कामयाब रही हैं| आम जनता ,पीड़ित लोगों से सीधा संवाद कर जनता को राहत पहुचांने के लिए दिन रात काम करती हैं जानिए अमृता दुहान से वो पहले डॉक्टर बनी, उसके बाद UPSC सिविल सर्विसेज की परीक्षा में सफलता हासिल की. आज एक दबंग IPS हैं| राजस्थान की पुलिस अधिकारी अमृता दुहन ने साल 2016 में UPSC एग्जाम क्लियर किया था| इस दौरान उनकी शादी हो चुकी थी और एक 2 साल का बेटा भी था| परीक्षा में सफलता हासिल करना हर पढ़े-लिखे युवा का सपना होता है, लेकिन कई बार सफलता नहीं मिलने के कारण कई कैंडिडेट्स परेशान हो जाते हैं|

सिक्योरिटी में तैनात महिलाओं से केक कटवाकर और सम्मानित करके मनाया "महिला दिवस"

जोधपुर। वस्त्र मंत्रालय के राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में इस बार महिला दिवस अलग अंदाज में मनाया गया। पूरे वर्ष संस्थान में हाउस कीपिंग और सिक्योरिटी सर्विस में तैनात महिलाओं का सम्मान किया गया और उनके हाथों से केक काटकर महिला दिवस को ख़ास बनाया गया। इससे पहले मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो जीएचएस प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं अब पुरुषों से कम नहीं है। महिलाएं पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए कुछ अपनी तरफ से भी कदम उठाएं, महिलाओं का सम्मान करें, सिर्फ 8 मार्च को नहीं, बल्कि हर दिन। तभी सही मायनों में समझा जा सकेगा की महिलाओं को समाज में उचित स्थान दिया जा रहा है। इस दौरान महिला सशक्तिकरण के सन्देश के साथ नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया और महिला प्राध्यापकों ने अपने विचार साझा किए।

हिन्दी मात्र भाषा नहीं 'मातृभाषा' है : वरिष्ठ पत्रकार संदीप पुरोहित

जोधपुर। हिंदी भाषा देश की अन्य सभी भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि उनकी 'मित्र' है, आज हमको यह समझने की जरूरत है कि हिन्दी मात्र भाषा नहीं 'मातृभाषा' है, यह कहना था वरिष्ठ पत्रकार संदीप पुरोहित का, वे शुक्रवार को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित हिंदी कार्यशाला में हिंदी के महत्व विषय पर बोल रहे थे। देश के ज्यादातर युवा हिंदी बोलने में शर्म महसूस करते हैं, वे अंग्रेजी बोल कर आधुनिक देखने का प्रदर्शन करके गर्व का अनुभव पाले हुए हैं जबकि, अन्य प्रादेशिक या विदेशी भाषा बोलने वाले लोग अवसर मिलते ही अपनी भाषा का प्रयोग करना आरम्भ कर देते हैं।

संस्थान के संयुक्त निदेशक अनिल कुमार ने कहा कि 1949 में संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था, कई बार लोग राजभाषा और राष्ट्रभाषा को एक ही मान लेते हैं, लेकिन भारत के संविधान में राष्ट्रभाषा का कोई उल्लेख नहीं है| संविधान के अनुच्छेद 343 में लिखा है कि, देश की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। उन्होंने कहा कि आज हमें हिंदी भाषा को रोजगार परक बनाना होगा। विश्व तथा देश के पटल पर हिंदी भाषी लोगों को सम्मान की दृष्टि से देखने के लिए युवाओं में हिंदी व्याकरण के प्रति अनुराग पैदा करना होगा।

कार्यक्रम में मंच संचालन असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ मनीष कुमार शर्मा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ममता यादव ने किया। हिंदी दुनिया की चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है|

रिपोर्ट -पूर्वी श्रीवास्तव

बंधेज कला के आकर्षण से बंधते है सैलानी : प्रो. जीएचएस प्रसाद

पूर्वी श्रीवास्तव

जोधपुर। वैसे तो बंधेज का अर्थ प्रतिबंध, रुकावट या नियत परम्परागत प्रथा के रूप में जाना जाता है, लेकिन फैशन की दुनिया में लोग इसे बांध कर रंगे कपड़े अथवा बांधनी कला की अनुपम कारीगरी के तौर पर भी स्वीकार करते हैं और इस बंधेज कला के आकर्षण से सैलानी बंधते है, ये कहना था राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर जीएचएस प्रसाद का। वे सोमवार को नेशनल अवॉर्ड विजेता मोहम्मद शरीफ से बंधेज के विकास के लिए चर्चा की। इस मौके पर टाई डाई आर्टिजन मोहम्मद शरीफ ने कहा कि मुल्तान से मारवाड़ आई इस कला से जुड़े लोग जोधपुर, जयपुर और उदयपुर में इस कला के माध्यम से बरसों से आजीविका चला रहे हैं। सरकार को इस हस्तकला के जरिये प्रतिवर्ष सर्वाधिक विदेशी मुद्रा भी हासिल होती है। बंधेज कला की बात करें तो राजस्थान में जोधपुर का नाम सर्वोपरि है। जहां लहरिया, मोठड़ा, चूनर और

मुहम्मद शरीफ और उनके बेटे के साथ निफ्ट निर्देशक प्रो. जीएचएस प्रसाद
फ़ोटो: पूर्वी श्रीवास्तव

पचरंगा विश्व विख्यात है। इस दौरान संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रसाद ने निफ्ट के स्टूडेन्ट्स और संकाय सदस्यों की बंधेज शिल्प के विकास के लिए सहभागिता का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि 28 नवंबर, 2022 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य 'शिल्प गुरू राष्ट्रीय पुरस्कार'सम्मान समारोह में प्रदेश के मोहम्मद शरीफ को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वैसे तो बंधेज का शाब्दिक अर्थ प्रतिबंध, रुकावट या नियत परम्परागत प्रथा के रूप में जाना जाता है, लेकिन फैशन की दुनिया में लोग इसे बांध कर रंगे कपड़े अथवा बांधनी कला की अनुपम कारीगरी के तौर पर भी स्वीकार करते हैं। कच्चे-पक्के रंगों से आता है निखार| गौरतलब है कि मुल्तान से मारवाड़ आई इस कला से जुड़े लोग जोधपुर, जयपुर और उदयपुर में इस कला के माध्यम से बरसों से आजीविका चला रहे हैं। सरकार को इस हस्तकला के जरिये प्रतिवर्ष सर्वाधिक विदेशी मुद्रा भी हासिल होती है। बंधेज कला की बात करें तो राजस्थान में जोधपुर का नाम सर्वोपरि है।

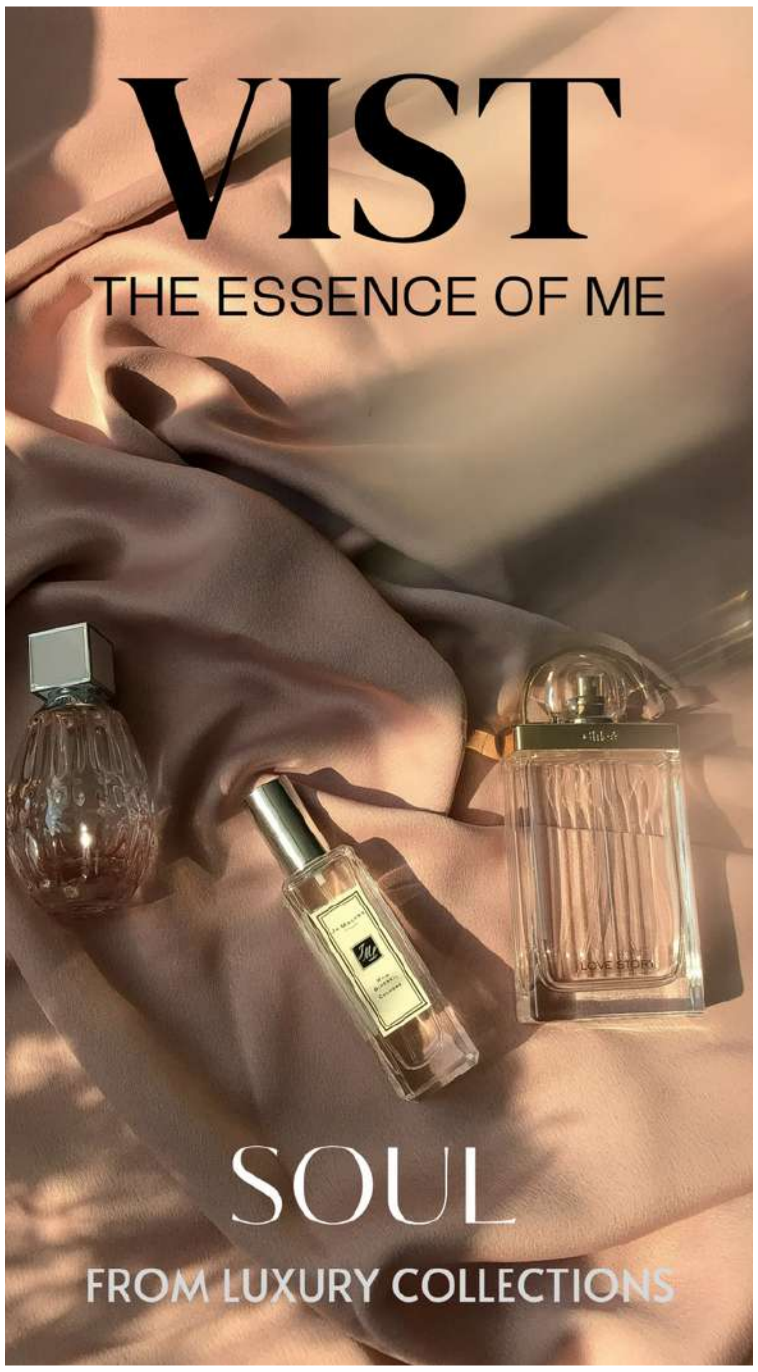

युवाओं को ऐसे सपने देखने होंगे जो उन्हें सोने नहीं दें - वीसी डॉ आलोक त्रिपाठी

-राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन, आर्टिजन्स को किया सम्मानित

जोधपुर। आज भारत के युवा सपने देखते है लेकिन अब युवाओं को ऐसे सपने देखने होंगे जो उन्हें सोने नहीं दें, जिससे युवाओं की पहचान बनें यह कहना था सरदार पटेल पुलिस यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ आलोक त्रिपाठी का। वे शुक्रवार को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) जोधपुर के 38वें फाउंडेशन डे पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। त्रिपाठी ने कहा कि युवाओं को फैशन को टेक्नोलॉजी के सहारे आगे ले जाने की जरूरत है, आज विश्व में भारत के क्राफ्ट और प्रोडक्ट की विशेष मांग है|

इससे पहले निदेशक प्रोफ़ेसर जीएसएस प्रसाद ने डॉ आलोक त्रिपाठी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रोफ़ेसर जीएसएस प्रसाद ने बताया कि यह संस्थान 1986 में एफआईटी न्यूयार्क के सहयोग से शुरू हुआ था,आज विश्व में एनआईएफटी उच्च पायदान पर है, भारत सरकार का यह संस्थान अब डिजाइन, मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी,फैशन एजुकेशन, रिसर्च एंड डवलपमेंट, ट्रेनिंग एंड कंसल्टेंसी के क्षेत्रों में बेंचमार्किंग परफॉर्मेंस और प्रोसेस में अहम रोल अदा करता है। संयुक्त निदेशक अनिल कुमार ने कहा कि निफ्ट जोधपुर की ओर से विभिन्न शिल्प कारीगरों को प्रोत्साहन,कौशल विकास और क्षमता निर्माण के लिए कार्यशालाओं का

निफ्ट जोधपुर के स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित माननीय अतिथि | फोटो: एडवेंचर एंड फोटोग्राफी क्लब

आयोजन किया जाता है। इस तरह निफ्ट लगातार मृत होती कला एवं क्राफ्ट को बचाने के लिए भी प्रयासरत है। इस मौके पर नटराज वंदना में कमालिका दास ने, एकल गायन में सांडली ने,एकल नृत्य की सृष्टि जैन, कालबेलिया डांस में रिचा वर्मा, असम के बीहू नृत्य पर स्मित,तन्मय जैन एवं ग्रुप की आकर्षक प्रस्तुति ने समां बांधा। संध्या स्टूडेन्ट्स वन्स मोर वन्स मोर की हूटिंग करते हुए दिखे।

33 आर्टिजंस को किया सम्मानित

इस दौरान पदम मोहम्मद तायेब खान, शिल्पगुरू शोकत अली उस्ता, राष्टपति अवॉर्डी जाकिर हुसैन, विभिन्न नेशनल अवार्डी मोहनलाल गुर्जर, लालचंद छींपा, राजकुमार पांडे, सुनील सोनी, मोहम्मद शरीफ, कुंजबिहारी सोनावा, सूरजनारायण सहित 33 आर्टिजंस को स्मृति चिन्ह एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

विजेता स्टूडेन्ट्स को दिये पुरूस्कार

फाउंडेशन डे के मौके पर विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता स्टूडेन्ट्स में प्रथम को दो हजार, दूसरे को एक हजार पांच सौ एवं तीसरे पुरूस्कार पर एक हजार नगद का पुरूस्कार दिया गया। इस तरह पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरूस्कार आराध्या पांडे, दूसरा पुरूस्कार सोनी वर्मा, तीसरा पुरूस्कार विशाल विथोवा को, डिबेट प्रतियोगिता में प्रथम प्रगति तिवारी, दूसरा कंकणा चटर्जी और तीसरा पुरूस्कार वैशाली भानुशाली को मिला, रील्स मेकिंग में प्रथम श्रेया खंडेलवाल, दूसरा वेदांत शर्मा, कैलेंडर मेकिंग में प्रथम सोनी वर्मा, दूसरा अर्पित गुप्ता, शॉर्ट प्ले एंड स्किट्स में प्रथम दीया परिहार एवं ग्रुप, दूसरा इशान एवं ग्रुप और तीसरा ईशा शर्मा को दिया गया।

रिपोर्ट -पूर्वी श्रीवास्तव

निफ्ट जोधपुर में मनाया गया योग दिवस

जोधपुर। टीम जोधपुर ने पूरे जोश और उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। जब आप योग को अपनाते हैं, तो आप वास्तव में अपने आस-पास की अच्छी चीजों को स्वीकार कर रहे होते हैं। अपने जीवन में संतुलन और खुशी बनाए रखने के लिए योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।योग दिवस, जो हर साल 21 जून को मनाया जाता है, एक विश्व स्तरीय उत्सव है जो योग के महत्व को जागृत करने और लोगों को योग की अनुष्ठान करने के लाभों के बारे में जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। यह उत्सव 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित किया गया था और इसके बाद से हर साल योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।

योग दिवस के दौरान, लोग योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास करते हैं और इसके लाभों के बारे में जागरूक होते हैं। इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य योग के महत्व को जागृत करना है और लोगों को योग को अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिन विभिन्न स्थानों पर योग शिविर भी आयोजित किए जाते हैं। निफ्ट जोधपुर ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

रिपोर्ट -पूर्वी श्रीवास्तव

निफ्ट में मनाया संविधान दिवस

जोधपुर। संविधान के माध्यम से हमने अपने राष्ट्र को प्रभुता सम्पन्न, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया तथा समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय देने का संकल्प लिया । यह कहना था सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल जोधपुर के अतिरिक्त सेंट्रल गवरमेंट स्टैंडिंग काउंसिल के. एस. यादव का, वे राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में शनिवार को संविधान दिवस के मौके पर भारत लोकतंत्र की जननी विषय पर आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे। यादव ने कहा कि हमने ऐसे समाज की परिकल्पना की. जिसमें विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म तथा उपासना की स्वतंत्रता के साथ ही सभी नागरिकों के लिए प्रतिष्ठा और अवसर की समानता हो। संविधान आजादी और खुशहाली के वादे का दस्तावेज होता है। संयुक्त निदेशक अनिल कुमार ने कहा कि संविधान हमें सपने देखने और उसके मुताबिक समाज निर्माण करने की आजादी और जज्बे को भी निरूपित करता है। संविधान सामाजिक और आर्थिक न्याय का जीवंत दस्तावेज है। आजादी के बाद के वर्षों में किए गए प्रयास इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। इस मौके पर सभी फैकल्टी मेंबर्स और कर्मचारीगण मौजूद रहें।

प्रोफ़ेसर जीएचएस प्रसाद ने आईडिया ऑफ़ न्यू मारवाड़ पर अपने विचार साझा किए

पूर्वी श्रीवास्तव

जोधपुर। राजस्थान पत्रिका न्यूज़पेपर की ओर से आयोजित आईडिया ऑफ़ न्यू मारवाड़ कार्यक्रम में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रोफ़ेसर जी एच एस प्रसाद ने शिरकत की| इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए मारवाड़ को लेकर विज़न डाक्यूमेंट्स तैयार करना था

निफ्ट में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में सोमवार को भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। यह सेमिनार संस्थान के निदेशक प्रो (डॉ) जीएचएस प्रसाद के निर्देशन में किया गया। इस मौके पर ऑफिस ऑफ द कंट्रोलर जेनरल ऑफ पेटेंट्स, डिजाइन्स एंड ट्रेडमार्क्स के परीक्षक एवं आईपीआर विशेषज्ञ संजय देवड़ा ने पेंटिंग डिजाइन, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, ज्योग्राफिकल इंडेक्स ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कोई देश किसी भौतिक संपत्ति का मालिक होता है, उसी तरह वह बौद्धिक संपदा का भी मालिक हो सकता है। विश्व के कई देश सदियों से कानून बनाकर मानव मस्तिष्क से उत्पन्न उपज को सुरक्षित करते रहे हैं। इस कानून के अनुसार निर्माता को एक निश्चित अवधि के लिए उसकी रचना का उपयोग पर एक विशेष अधिकार दिया जाता है। इस मौके पर संस्थान के संयुक्त निदेशक अनिल | कुमार कहा कि बौद्धिक संपदा हमारी अमूल्य धरोहर है, ऐसे में बौद्धिक संपदा का संरक्षण व पल्लवित करना हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य इस दौरान काफी संख्या में फैकल्टी मेंबर्स व विद्यार्थी मौजूद रहे।

हस्तशिल्प उत्सव में सीएम ने निफ्ट जोधपुर की स्टॉल विजिट कर दिया ऑटोग्राफ

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा हस्तशिल्प उत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को सीएम अशोक गहलोत की ओर से किया गया था। कोविड की वजह से दो साल बाद इस मेले को लगाया गया है। इस मेले को लेकर इस बार तैयारियां भी खास हो रखी है। जोधपुर के रावण का चबूतरा मैदान में जिला प्रशासन, जिला उद्योग केन्द्र जोधपुर, उद्यम प्रोत्साहन संस्थान, जयपुर तथा नोडल एजेन्सी मरुधरा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में इसका आयोजन किया जा रहा है। निफ्ट जोधपुर से डॉ चेतराम मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निफ्ट जोधपुर की स्टॉल को विजिट कर आर्टिजन्स के प्रोत्साहन के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और ऑटोग्राफ दिया। उल्लेखनीय है कि 10 डोम में 600 स्टॉल का निर्माण करवाया गया है, जिसमें 15 से अधिक राज्यों के हस्तशिल्पी अपने प्रोडक्ट डिस्प्ले कर रहे है।

रिपोर्ट -पूर्वी श्रीवास्तव

निफ्ट में फैशन बिजनेस ट्रेंड्स पर नेशनल सेमिनार आयोजित, विशेषज्ञों ने दिए युवाओं के सवालों के जवाब

जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की ओर से फैशन बिजनेस में ट्रेंड्स और अवसर विषय पर शुक्रवार को एकदिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के चीफ गेस्ट इंडियन टेरेन के एमडी चरथ नरसिम्हा ने उद्घाटन सत्र में कहा कि आज आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के दौर में फैशन बिजनेस के क्षेत्र में अपार संभावनाएं है लेकिन युवाओं को सजग रहने की जरूरत है क्योकि तकनीक लगातार बदल रही है ऐसे में अवसरों के साथ चुनौतियाँ भी फेस करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इससे पहले संस्थान के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और कहा कि सोशल मीडिया के दौर में फैशन इंडस्ट्री की ग्रोथ साफ देखी जा सकती है, युवाओं को तकनीक के साथ सक्षम होकर फैशन के क्षेत्र में काम करने की जरूरत है। सेमिनार में मंच संचालन असिस्टेंट प्रोफ़ेसर सोनिया सिवाच ने किया।

रिपोर्ट -पूर्वी श्रीवास्तव

निफ्ट जोधपुर का दीक्षांत समारोह सम्पन्न, राज्यपाल ने स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्रदान की

नये भारत के युवाओं को स्थानीय उत्पादों में सुधार के साथ उनके वैश्विक स्तर पर विपणन के नये मार्ग खोलने होंगे : राज्यपाल कलराज मिश्र

जोधपुर। फैशन प्रौद्योगिकी सीधे तौर पर फैशन उद्योग और स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों से जुड़ी हुई है। आज नये भारत के युवाओं को स्थानीय उत्पादों में सुधार के साथ उनके वैश्विक स्तर पर विपणन के नवीन मार्ग खुलने होंगे, इससे स्थानीय कारीगरों के जीवन स्तर में ही सुधार नहीं होगा बल्कि औद्योगिक दृष्टि से भी देश तेजी से आगे बढेगा। यह बात राज्यपाल कलराज मिश्र ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्यौगिकी संस्थान में शुक्रवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में कहीं।

कलराज मिश्र ने कहा कि यह प्रौद्योगिकी संस्थान फैशन तकनीक से जुड़ा है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि इस संस्थान में वह शिक्षा दी जाती है, जो हमारे हस्तशिल्प कौशल और ज्ञान की आधुनिकी से जुड़ी है। शब्दकोष में फैशन का अर्थ देखेंगे तो मिलेगा—बनाव सिंगार, सजावट आदि का नया, अच्छा या लोकप्रिय ढंग। या फिर वह अवस्था जिसमें कोई वस्तु या बात बराबर व्यवहार में आती या चलती रहती है। मूल रूप से फैशन का माने होता है—प्रचलन में जो है। हमारे यहा वस्त्र विन्यास और जीवन को संवारने से संबंधित बहुत से ढंग प्राचीनकाल से चले आ रहे हैं। दौर बदलता है और वह सब पुराना होता जाता है। परन्तु बहुत बार यह भी होता है कि वह पुराना ही नए युग में लौट—लौटकर फिर से नए रूप में आता रहता है। यही फैशन है। उन्होंने युवाओं से अपनी प्रतिभा का उपयोग समाज एवं देश के लिए समर्पित करने का आह्वान किया। उन्होंने स्टूडेन्ट्स को सलाह दी कि जितनी गंभीरता से फैशन के जरिए जीवनगत आ रहे परिवर्तनों को समझने का आप प्रयास करते जाएंगे—उतने ही अच्छे भविष्य के फैशन डिजाईनर के रूप में आपकी पहचान हो सकेगी। क्योंकि आज भारतीय फैशन उद्योग प्रचुर संभावनाओं वाला क्षेत्र है। हमारे यहां हस्तशिल्प और वस्त्र विन्यास की जो परम्पराएं रही हैं उनमें बहुत अधिक विविधता रही है। ऐसे समय में जब सब कुछ ग्लोबल हो रहा है यह जरूरी है कि विविधता की हमारी जो संस्कृति है, उसको समाहित करते हुए ऐसी फैशन तकनीक विकसित की जाए, जो विश्वभर में लोकप्रिय हों। इस प्रकार परम्परा में कैसे आधुनिकता के संस्कार डालते हुए नवीनतम फैशन उत्पाद तैयार किए जाएं, इसके लिए अध्ययन, मनन और बाजार की मांग इन तीनों की की जरूरत होती है। इसलिए इन तीनों के प्रति सजग रहते हुए कार्य करेंगे तो सदा ही अच्छे परिणाम प्राप्त होंगें। समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि दीक्षांत का अर्थ होता है ज्ञान से विद्यार्थी को संस्कारित करने की पूर्णता। शिक्षा के आलोक से विद्यार्थी जीवनभर अपने साथ—साथ दूसरों को भी सही राह दिखा सकता है। कलराज मिश्र ने इस मौके पर संविधान की उद्देशिका एवं मूल कर्तव्यों का वाचन किया। उन्होंने संविधान को अपने आचरण एवं व्यवहार पर लाने का आह्वान किया और कहा कि इससे समाज एवं देश विकसित और सुदृढ़ होगा। सभी इसे आत्मसात करते हुए मूल अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी ध्यान में रखकर जीवन व्यवहार अपनाएं। समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र की संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जीएचएस प्रसाद ने अगुवानी कर अभिनंदन किया। राष्ट्गान के बाद राज्यपाल कलराज मिश्र, निदेशक प्रोफेसर जीएचएस प्रसाद और डीन एकेडमिक प्रो सुधा ढ़ीगरा ने दीप प्रज्जवलन कर दीक्षांत समारोह की शुरूआत की। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जीएचएस प्रसाद ने बताया कि दीक्षांत समारोह में 20 मेधावी स्टूडेन्ट्स को मैडल एवं 188 स्टूडेन्ट्स को डिग्री वितरित की गई।

रिपोर्ट -पूर्वी श्रीवास्तव

निफ्ट जोधपुर में हुआ स्वच्छता पखवाड़ा का समापन

जोधपुर। स्वच्छता पखवाड़ा निफ्ट जोधपुर के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा मनाया गया। निदेशक डॉ. जी.एच.एस. प्रसाद ने अपने संबोधन में सभी से इस पहल में भाग लेने, अन्य लोगों को लामबंद करने और स्वच्छता के लिए जन आंदोलन को मजबूत करने का आग्रह किया। इस पखवाड़े के तहत कई गतिविधियां की गईं जिनमें परिसर में स्वच्छता अभियान, संबंधित वृत्तचित्रों का प्रसारण, रखरखाव के लिए पेड़ों की छंटाई, छात्रावासों में कीट नियंत्रण और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

निफ्ट जोधपुर में भोगी पोंगल का धूमधाम से सेलिब्रेशन

जोधपुर। उत्तर भारत, मध्य भारत मकर संक्रांति व पंजाब में लोहड़ी की रौनक होती है। वहीं, इस दिन दक्षिण भारत में पोंगल का त्यौहार मनाया जाता है। इस बार शनिवार को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में भोगी पोंगल का उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर सभी फैकल्टी मेंबर्स भी मौजूद रहें। संस्थान के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने बताया कि आस्था और संपन्नता का प्रतीक पोंगल का पर्व चार दिन तक मनाया जाता है। प्रत्येक दिन पोंगल का अलग अलग नाम होता है। पहले दिन भोगी पोंगल, दूसरे दिन सूर्य पोंगल मतलब संक्रांति, तीसरे दिन कानुम पोंगल कहते हैं। प्रसाद ने बताया कि इस दिन भोगी पोंगल पर लोग सुबह स्नान करने के बाद भगवान इंद्रदेव की विशेष पूजा अर्चना करते हैं। भोगी पोंगल की संध्या पर लोग इकट्ठा होकर भोगी कोट्टम बजाते हुए लोकगीत गाते हैं और एक दूसरे को बधाइयां देते हैं और मिठाइयां खिलाते हैं।

यह समाचार पत्र एक निजी प्रकाशन है, संपादक - डॉ. मनीष शर्मा, उपसंपादक - पूर्वी श्रीवास्तव, निफ्ट जोधपुर, राजस्थान, मो. 9468651834